ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -14 अंक - 15 नवम्बर -I, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

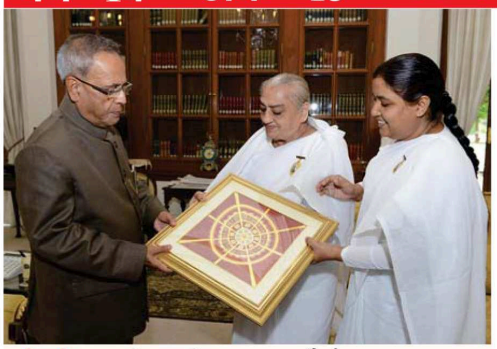

दिल्ली। राष्ट्रपति महामहिम प्रणब मुखर्जी को परमात्म अवतरण एवं उनके द्वारा किये जा रहे विश्व परिवर्तन के कर्त्तव्य की जानकारी देने के पश्चात ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए दादी हृदयमोहिनी। साथ हैं ब्र.कु.नीलू।

एकता व भाईचारे से सम्पन्न समाज अहिंसा से सम्भव

दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री डा. फारूख अब्दुल्ला ने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा सिरिफोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित 'अहिंसा परमो धर्म जागृति' अभियान को सम्बोधित करते हुए कहा कि धन तथा भौतिकतावाद की ओर हमारे अति झुकाव ने हमें स्वयं से, समाज से तथा हमारे धर्म से विमुख कर दिया है जो हमें आध्यात्मिक रूप से एक निराकार परमपिता परमात्मा के अंतर्गत एकता एवं भाईचारे के सूत्र में बांधकर रखता है। क्योंकि सत्य धर्म सदैव मानव को एक करता है बांटता नहीं है।

केन्द्रीय मंत्री डॉ.फारूख अब्दुल्ला, ब्र.कु.बृजमोहन दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

उन्होने 'हिंसामुक्त समाज की स्थापना के लिए आध्यात्मिक बुद्धिमता' नामक सेमिनार के अंतर्गत कहा कि दुर्भाग्य से आज समाज में धर्म का उपयोग खासतौर पर वोटों को बढ़ाने, लोगों में आपसी मतभेद पैदा करने तथा संघर्षों को उत्पन्न करने में हो रहा है। हमें इस प्रकार की राजनीति से ऊपर उठकर समाज में शांति, सौहार्द, प्रेम तथा सहयोग को बढ़ावा देने के प्रति अथक प्रयास करने चाहिए। उन्होंने इस अभियान को लोगों में एकता लाने तथा उनके जीवन स्तर को ऊँचा उठाने की ओर एक कारगर कदम बताया। उन्होने कहा कि कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं रह सकता। हमें एक साथ मिलकर आपसी समझदारी, विश्वास, सहिष्णुता एवं सहयोग की भावना के साथ गरीबी, प्रदूषण एवं ऊर्जा का ह्रास जैसी समस्याओं का निवारण करना चाहिए। आज शांत एवं संघर्ष मुक्त वातावरण

-शेष पेज 4 पर

मजहब की दीवारों से ऊपर उठाती है आध्यात्मिकता

'परमात्म ज्ञान द्वारा आंतरिक शांति एवं विश्व सद्भावना ' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर के प्रतिनिधियों ने लिया शांति का संकल्प।

दादी जानकी, केंद्रीय यातायात एवं परिवहन केंद्रीय राज्यमंत्री सत्यनारायण सर्वे, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.निर्वैर तथा अन्य कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

शांतिवन। केंद्रीय सड़क, यातायात एवं परिवहन केंद्रीय राज्यमंत्री सत्यनारायण सर्वे ने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा 'परमात्म ज्ञान द्वारा आंतरिक शांति एवं विश्व सद्भावना ' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सांस्कृतिक महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहा कि मानवीय क्राइम को हम आध्यात्मिकता के माध्यम से ही दूर कर सकते हैं। मनुष्य के विकास को अवरूद्ध करने में अहंकार महत्वपूर्ण कारण है। इससे प्रत्येक व्यक्ति को दूर रहने का प्रयास करना चाहिए। नकारात्मकता के कारण हमारे आसपास का वातावरण नकारात्मक हो जाता है। इसे सकारात्मकता और मूल्यनिष्ठता द्वारा ही मिटाया जा सकता है। ब्रह्माकुमारी संस्था इस दिशा में श्रेष्ठ प्रयास कर रही है।

- सभी देशों के प्रतिनिधियों ने लहराया शिव ध्वज
- अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि आध्यात्मिकता हमें हर संस्कृति, मज़हब और भाषा की दीवारों से ऊपर उठाती है। ब्रह्माकुमारी संस्था मानवीय मूल्यों को जीवन में धारण करने की शिक्षा देती है, जिससे ज़िंदगी में महत्वपूर्ण बदलाव होते हैं। संस्था का हर सदस्य लोगों के अंदर सद्भावना का बीज बोता है।

कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री एच. के. पाटिल ने कहा कि जीवन को सुखमय व सौहार्दपूर्ण बनाए रखने के लिए वैल्यूज की आवश्यकता होती है और यह वैल्यूज हमें आध्यात्मिकता सिखाती है। ब्रह्मा बाबा ने हमें सच्ची आध्यात्मिकता की शिक्षा दी है। भगवान किसी एक धर्म या किसी मानव के बंधनों में बंधा नहीं होता

-शेष पेज 8 पर

ताईवान, सिंगापुर, मलेशिया, जापान तथा रशिया के अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिनाम कलाकारों ने पारंपरिक परिधानों में बैंड बाजों की प्रस्तुतियां दी।